RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 13 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 2 सितम्बर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

देखो, हल्द्वाणि बाजार

धो-पोछकर सब सिमट जाएगा

कमिश्नर कह रहे हैं सदाबहार फूलों से सजेगी नैनीताल रोड और व्यापारी कर रहे हैं विरोध प्रदर्शन

101 दुकानों को तोड़ने जाने के मामले में कोर्ट से राहत

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी। पिघलता हिमालय ने पहले ही कह दिया था कि 'बदलते हल्द्वानी के लिये तैयार हो जाओ', वही होने जा रहा है। जनसंख्या दवाब से जिस शहर का दम घुटने लगा हो और हर प्रकार की अला-बला हल्द्वानी आकर जमा होने लगी हों तो इसमें तोड़फोड़ की जिद यहाँ की जरूरत ही है। शहर में 101 दुकानों को तोड़े जाने के मामले में हाईकोर्ट ने दुकान स्वामियों को दस दिन का समय देकर राहत दी है लेकिन इस राहत के बाद भी यह तो समझ ही जाना चाहिये कि शहर में ताबड़तोड़ कार्रवाई होगी।

हल्द्वानी की बदलती सूरत में सड़कें और चौराहे चौड़ीकरण से लेकर सुन्दरीकरण के बहुत काम होने का दावा किया जा रहा है। ऐसे में हल्द्वानी का पुराना बाजार पूरी तरह धो-पोछकर सिमट जाएगा और नए तरीके से दिखने वाले हल्द्वानी में फिलहाल तोड़फोड़ जारी है। पहले सड़क किनारे पेड़ों को हटाया गया फिर सरकारी भवनों और इनकी दीवारों पर घन बजाए गए और सर्वे के बाद दुकान तोड़ने का आदेश जारी हो गया। ऐसे में कारोबारियों ने गुस्सा दिखाते हुए प्रदर्शन किया और कहा उन्हें समय दिया जाए। दुकान तोड़ने के लिये प्रशासन की ओर से पूरी तैयारी हो चुकी थी तभी हाईकोर्ट ने दुकान स्वामियों को दस दिन का समय देकर रात दी। पीडब्लूडी ने भी तीन दिन में दुकानें तोड़ने का आदेश निरस्त कर दिया।

शहर में ध्वस्तीकरण और नवनिर्माण की इस पूरी लीला में यह साफ दिखाई दे रहा है कि हल्द्वानी वह हल्द्वानी नहीं रहेगा जो हुआ करता था। कारोबार के लिये वर्षों से जमजमाव कर चुके दुकानदारों को समझ आ चुका है कि हटना ही पड़ेगा। कमिश्नर दीपक रावत ने प्रशासन, नगर निगम, जिला विकास प्राधिकरण की बैठक लेते हुए कहा कि मंगल पड़ाव से लेकर काठगोदाम तक सड़क के दोनों ओर सदाबहार फूलों की सजावट होगी। इसके लिये सड़क के दोनों ओर सरकारी व निजी भवनों की चाहरदीवारी और पार्कों पर मधु मालती, गुलमोहर, बाग्नबेलिया, बैटस क्लूं, रात की रानी आदि पौंधे लगाए जाएं। आयुक्त ने इनके रखरखाव पर भी चर्चा की। दूसरी ओर दुकानों व भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाही से नाराज व्यापारी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। व्यापारियों ने नगर निगम तक जुलूस निकाल कर अपना गुस्सा दिखाया और कहा वर्षों से वह अपनी रोजी-रोटी के लिये जिस स्थान पर बैठे थे उन्हें हटाया जा रहा है। फिलहाल मुख्य शहर में उहापोह बनी हुई है।

हल्द्वानी में खौफ दिखा गया बरसात का मौसम

तपोवन में दस दिन तक निकलता रहा घरों से मलबा

हल्द्वानी। बरसात का यह सीजन हल्द्वानी में खौफ दिखा गया है। जिस प्रकार से सूखे नालों ने उफनाते हुए मोहल्लों में मलबा उडेला है वह इस भाबर की सच्चाई को बता रहा है। किस प्रकार से हपड़-तपड़ में हल्द्वानी में अनियोजित तरीके से भवनों निर्माण की आंधी चली है और पानी निकास का इन्तजाम नहीं है, यह सब नुकसान देख पता चल रहा है। शहर में जो नाली-नाले थे उनमें अभी भी अतिक्रमण बना हुआ है। मुख्य शहर की सड़कों पर भरान तो कर दिया गया लेकिन पुराने घिर चुके नालों को नहीं खोला गया है। इसी प्रकार शहर के आस-पास नाली, नाले, गूल सब घिरे हुए हैं। प्रकृति की लीला के बाद जरूर कुछ जगह अतिक्रमणों को बलपूर्वक हटवाया गया है।

अतिवृष्टि से प्रभावित तपोवन क्षेत्र में दस दिन तक घरों से मलबा निकलता रहा। नगर निगम की टीम ने गलियों से मलबा और बोल्डर पहले हटा दिये थे। वन विभाग की ओर से सुरक्षा दीवार बनाने और पेयजल लाइन की मरम्मत का कार्य जारी है।

तपोवन क्षेत्र में 19 अगस्त की रात्रि को अतिवृष्टि से लगभग तीन सौ घरों में मलबा घुस गया था। मलबे से इलाके में खड़े कई वाहन फंस गये थे। इसके बाद सांसद, जिलाधिकारी ने स्थलीय निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिये। इलाके को व्यवस्थित होने में अभी समय लगेगा।

दानबीरांगना लला जसुली देवी की जयन्ती पर नैनसिंह को समर्पित 'मेछाग' का विमोचन

पि.हि.प्रतिनिधि

धारचूला/जौलजीवी। फली सिंह दताल के मार्गदर्शन पर दानबीरांगना लला जसुली देवी की जयन्ती का आयोजन किया गया। अमा जसुली 'जंगबु जी' की याद में उनके कुटुम्बीजनों की ओर से 'मेछाग' (मशाल-पथ प्रदर्शक) नामक पत्रिका को प्रकाशित किया गया। इस बार के मेछांग के भाग-2 अंक को रं लुंगबा के सामाजिक चिन्तक, भूमिगत सामाजसेवी नैन सिंह बोनाल को समर्पित किया गया है।

रक्षा पर्व के अवसर पर लला जसुली के कुटुम्ब के नाते रिश्तेदारों ने मिलकर 'मेछाग' (मशाल-पथ प्रदर्शक) पत्रिका का विमोचन किया। इस अवसर पर लला जसुली और समाज के लिये हमेशा सकारात्मक ऊर्जा देने वालों का स्मरण किया गया।

ह्या गबला देव मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

धारचूला। दस हजार फिट पर चीन सीमा के निकट दारमा घाटी के दांतू में ऐतिहासिक ह्या गबला देव मेले का भव्य आयोजन किया गया। उद्घाटन अवसर पर 15 ग्रामों के ग्रामीण परम्परागत वेशभूषा में ढोल-नगाड़ों साथ उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम के बीच विधायक हरीश सिंह धामी ने मेले के लिये 5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

48वें ह्या गबला देव मेले के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख धन सिंह धामी, मेला समिति के अध्यक्ष करन सिंह ग्वाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मेले का शुभारम्भ किया। मेले में कार्यक्र की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य सुन्दर सिंह दुग्ताल ने की जबकि संचालन सोमी दुग्ताल, पूरन सिंह ग्वाल, जीवन मार्छाल, दिनेश चलाल ने किया।

चार दिवसीय आयोजन के दौरान हुए छोलिया नृत्य में ग्राम बालिंग प्रथम, ग्राम दर द्वितीय, सांस्कृतिक कार्यक्रम में ग्राम गो प्रथम, ग्राम दर द्वितीय, बालीबाल में ग्राम बोन प्रथम, ग्रम तिजम द्वितीय स्थान पर रहे। रस्साकस्सी में ग्राम सेला प्रथम, बोन द्वितीय, फुगलो (पवित्र पत्थर) प्रतियोगिता में अनिल सिंह सोनाल प्रथम रहे। विजेताओं को दीलिंग दारमा सेवा समिति की ओर से पुरस्कृत किया गया। बालीबाल प्रतियोगिता की प्रायोजक नव युवक मंगल दल तिजम और लक्ष्मी ग्वाल ने अपने अपने पति स्व. अनिल ग्वाल की स्मृति में किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष करन सिंह ग्वाल, रं कल्याण संस्था के केन्द्रीय संरक्षक विशन सिंह बोनाल, पूर्व चैयरमैन अशोक सिंह नबियाल, उपाध्यक्ष लक्ष्मण नगन्याल, मासचिव धीरेन्द्र दताल, ग्राम प्रधान जमन सिंह दताल, जीवन सिंह सीपाल, राम सिंह सोनाल, भवान सोनाल, नारायण दरियाल, दीपक रौंकली, अमर बंग्याल उपस्थित थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

विधायकों के वेतन भत्ते कम न हों

विधायकों के वेतन भत्ते बढ़ाए जाने पर उपनल कर्मियों ने कटाक्ष करते हुए मिष्ठान वितरण किया और सरकार से मांग की कि विधायकों के वेतन भत्तों में किसी तरह की कमी हो रही हो तसो उनके एक दिन का वेतन काटकर उन्हें दे दिया जाए।

दरअसल उपनल कर्मचारी पिछले दो दशक से वेतन बढ़ोत्तरी और समान कार्य के लिए समान वेतन दिए जाने की मांग कर रहे हैं। सरकार इन मांगों को पूरा करने पर सरकारी खजाने पर वित्तीय भार बढ़ने का हवाला दे रही है। उपनल कर्मी कोर्ट गये तो सरकार ने एसआइपी दाखिल कर दी।

यह बड़ा सच है कि वर्तमान में जनप्रतिनिधि होने का मतलब कमाईदार पद मान लिया गया है। विधायक, सांसद, मंत्री पदों पर जनता की जो आस्था पहले थी वह इसी कारण कम होते जा रही है। धनबल पर चुनाव में ताकत दिखाई जाती है। धनबल और दबंगता के रास्ते कुर्सी पाने वालों का दबाव चारों ओर होता है, ऊपर से मोटी पगार भी मिलती है। जनप्रतिनिधि होने की पहली शर्त शालीनता ही है लेकिन राजनीतिक के नये फटके में ऐसे लोग अटक रहे हैं जो सीधे नहीं कहे जा सकते। पार्टियां भी चुन-चुन कर ऐसे लोगों को अपना प्रत्याशी बनाने लगी है जिसके पास फौज-फर्रा-धन की ताकत है। चुनाव में इस प्रकार के नेता सफल हो जाते हैं और जनता इन्हें टापने के अलावा कुछ कर भी नहीं सकती। यही सब कारण है जनता बार-बार हमारे इस प्रकार के जनप्रतिनिधियों के लिये कहते रहते हैं और अब उपनल कर्मियों ने भी कटाक्ष किया है।

विधायक-सांसद-मंत्री पद को समाज उद्धार के लिये माना जाता है। यह लोग जनता के प्रतिनिधि होते हैं और उन बातों को सदन में उठाते हैं जिससे जनता की सुनवाई सरकार करे। लेकिन होने यह लगा है कि सदन में उठाए जाने वाले मुद्दे भी प्रचार का तरीका बनते जा रहे हैं, हर बात को उछाल उछाल कर प्रदर्शित किया जाने लगा है और व्यवहार में और ही और होने लगा है। इसपर भी सरकारी सुख-सुविधा-रौब और मोटा वेतन-भत्ते मिलना सिर चढ़कर बोलने के अलावा क्या है? एक ओर रोटी-नौकरी के लिये रोना मचा है दूसरी ओर वेतन-भत्तों के लिये पक्ष-विपक्ष एकमत रहते हैं।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

पायलट बाबा आश्रम संस्थापक का निधन

नैनीताल। ज्योलीकोट-भवाली मार्ग पर गेठिया में स्थित पायलट बाबा आश्रम के संस्थापक व जूना अखाड़े के महामण्डलेश्वर महायोगी पायलट बाबा का मुम्बई में 90 साल की उम्र में निधन हो गया। वायु सेना में विंग कमाण्डर रहे विहार के कपिल सिंह आध्यात्म से जुड़कर योगी के रूप में प्रसिद्ध हो गये और उनका उत्तराखण्ड से काफी नाता रहा है। देशभर में उनके चाहने वाले हैं।

हसीना पर मुकदमा के लिये प्रत्यर्पण की मांग

ढाका। बांग्लादेश नशनलिस्ट पार्टी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर देश में क्रान्ति (सरकार के खिलाफ प्रदर्शन) को बाधित करने की साजिश रचने का आरोप लगात हुए भारत से कहा है कि हसीना को प्रत्यार्पित किया जाए ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके।

भारत-मलेशिया के बीच आठ समझौते

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों पर गहन बातचीत के बाद भारत और मलेशिया ने फैसाल किया कि दोनों देश द्विपक्षीय सम्बन्धों को समग्र रणनीतिक सझेदारी के स्तर तक बढ़ाएंगे।

भारत-जापान साझेदारी बेहद महत्वपूर्ण

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिन्द प्रशान्त क्षेत्र में भारत और जापान दोनों के हित गहरायी से जुड़े हैं और उनकी साझेदारी क्षेत्र में शान्ति तथा स्थिरता के लिये महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह बात विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर के साथ जापान के रक्षा मंत्री मिनोरू किहान तथा विदेश मंत्री योको कामिकाव के साथ हुई तीसरी टू प्लस टू वार्ता के बाद कही।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र संगठनों का विरोध मार्च

लन्दन। भारतीय छात्रों, धर्मार्थ संस्थाओं और प्रवासी संगठनों ने कोलकता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना के खिलाफ प्रदर्शन किया।

भारत-अमेरिका मिलकर ला सकते हैं शांति

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और अमेरिका संयुक्त रूप से दुर्जेय शक्ति हैं और ये दोनों मिलकर वैश्विक शान्ति और समृद्धि ला सकते हैं। अमेरिका यात्रा पर गए सिंह ने भारतीय समुदाय के लोगें से बातचीत के दौरान यह बातें कहीं।

फसक

दाज्यू, चारों ओर राक्षस्योव माया हो रही ठैरी

कलयुग के चरम में ताल-घूंसे से लेकर चीरफाड़ सब होती है बल

दाज्यू, गाँव का हाल क्या बताएं, सामान्य ही हुआ। चारों ओर राक्षस्योव माया हो रही ठैरी बागेश्वर के गरुड़ में कक्षा सात की बालिका के साथ उनके ताऊ ने दुष्कर्म कर दिया। मेडिकल में पुष्टि होने तक ताऊ फरार हो गया। दाज्यू, गदरगोल की दुनिया में सब फटने को तैयार बैठे हैं। हरिद्वार के पथरी क्षेत्र में युवक ने हमला कर फावड़े से अपनी माँ की हत्या कर डाली। देहरादून-काठगोदाम एक्सप्रेस में देर रात चलती ट्रेन में एक महिला डाक्टर से बदसलूकी हुई। अल्मोड़ा के सरकारी अस्पताल में तैनात महिला डाक्टर दून से काठगोदाम आ रही थी तो देहरादून का राजीव शर्मा पहले तो अपने मोबाइल से डाक्टर का फोटो खींच रहा था फिर बदसलूकी करने लगा बल। काशीपुर के आईटीआई इलाके के लिव इन में रह रहे युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। दाज्यू, घोर कलजुग, किसी को समझना और समझाना बहुत कठिन हो गया है।

कलयुग के चरम में लात-घूसे से लेकर चीरफाड़ सब होती है बल। रुद्रपुर के फौजी मदकोटा निवासी एक युवती ने पड़ोस में रहने वाले दो सगे भाईयों पर छेड़छाड़ और गला दबाने का आरोप लगया है। ये भाई सड़क चलते गाली गलौच करते हैं बल। एक दिन खींचकर पिटाई की और गला दबाने लगे थे। दाज्यू, ये दुनिया कैसे चलेगी? जंगल से ज्यादा खतरनाक शहर हो चुके हैं। काशीपुर में मानसिक रूप से परेशान चल रही महिला अधिवक्ता ने फांसी लगाकर जान दे दी। भगवान उनकी आत्मा को शान्ति दे।

दाज्यू, शान्त पहाड़ में औच्छयाट् होने लगा है। रघुली देवी कह रही है- 'मैं रेला कक्कड़ बनूंगी। मलाईका जैसा बनना है।' भगवान बचाए रघुली को। दाज्यू, कोटद्वार में तड़ियाल चौकी स्थित एक मॉल में मूवी देखने गयी महिला से कुछ युवकों ने लिफ्ट में छेड़छाड़ की। मंगलौर में भी एक किशोरी के साथ सामूहिक कुकर्म किया गया। 5 नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई हो रही है। 15 अगस्त को हल्द्वानी के राजपुरा से स्कूल के लिए निकली कक्षा 10 की छात्रा अब बरामद हो चुकी है, उसे ले जाने वाले को गिरफ्तार कर लिया है। दुलाल घोष नाम का यह व्यक्ति दुष्कर्म कर रहा था।

दाज्यू, पता नहीं क्या होता जा रहा है। किसको सही कहें और किसको गलत। बाजपुर के एक नर्सिंग होम में दिनेशपुर की एक युवती दो माह से नर्स है। इसने नर्सिंग होम संचालक पर पहले छेड़छाड़ का आरोप लगाया फिर समझौता हो गया बल। बाजपुर में ही एक पीड़िता ने दुकानदार पर शारीरिक सम्बन्ध और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। आरोप है कपड़े बेचने वाले दुकानदार ने रसमाई खिलाई और दुष्कर्म किया। दाज्यू, रुद्रपुर में मौलवी भी जोश में था बल। मलसी स्थित मस्जिद के मौलवी शब्बीर राज निवासी ग्राम डांग, पीलीभीत के खिलाफ एक महिला ने यौन शौषण का मामला दर्ज करवाया है। मौलवी ने पोर्न वीडियो दिखाकर 5 बच्चियों का यौन शोषण किया बल।

दाज्यू, राक्षस्योव की पूछो मत। छुटपुट तो लगा ही ठैरा। पहले चम्पावत डीएम की फर्जी आईडी बनाकर मांग करने वाले सक्रिय हो गये थे, अब नैनीताल के पुलिस कप्तान की फर्जी आईडी बनाकर 17 हजार मांगने लगे। ये ठगुवा वट्सएप पर मैसेज करते हैं बल। बाजपुर में कलेक्शन कर लौट रहे निजी बैंक कर्मचारी से नोटों भरा बैग लेकर बाइक सवार दो बदमाश फरार होने लगे लेकिन भाग रहे बदमाशों का पीछा करते हुए एक को दबोच लिया गया। दाज्यू, हल्द्वानी जजी कोर्ट में कनिष्ठ और वरिष्ठ अधिवक्ता के बीच परिसर में वाहन खड़ा करने को लेकर चुटाचुट हो गई। जब सुतान हो रहा हो तो दो पक्ष हो ही जाने वाले ठैरे। भगवान जाने उसके संसार में क्या कुछ नहीं हो रहा है। -तुम्हारा भुली झकरुवा

ठण्डी सड़क से हटाया अतिक्रमण

हल्द्वानी। प्रशासन, नगर निगम और परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से नैनीताल रोड स्थित ठण्डी सड़क समें अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाते हुए चालान काटे। सिटी मजिस्ट्रेट ए.पी.वाजपेयी और एआरटीओ रश्मि भट्ट के नेतृत्व में नो पार्किंग पर दो दर्जन लोगों के चालान काटे गये। हाईकोर्ट के निर्देशों पर अतिक्रमण के विरुद्ध चल रहे अभियान में ठण्डी सड़क पर लगे ठेले और फूड वैन को हटाया गया। इससे पहले एमबी कालेज के पास से भी रोड घेरकर लगने वाले ठेलों को हटाया गया था जो ठण्डी सड़क पर आ चुके थे, उन्हें खदेड़ा गया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों से बहसबाजी भी हुई।

बताते चलें कि हल्द्वानी शहर में पैदल राहगीरों के लिये तिकोनिया से काठगोदाम तक ठण्डी सड़क बनाई गई थी जिसमें बाद में घेराबाड़ी होने लगी, आसपास रहने वाले अपने वाहन खड़े करने लगे जिससे ठण्डी सड़क का असल उद्देश्य नहीं रहा। जबकि पैदल राहगीरों के लिये यह जरूरी है।

दमुवाढूंगा वन चौकी से बनेगा अंडरग्राउण्ड नाला

हल्द्वानी। गैरवैशाली क्षेत्र को लजी ही जेडीएम नाले से होने वाले जलभराव से छुटकारा मिलेगा। दमुवाढूंगा वन चौकी से चौफुला चौराहे तक अण्डरग्राउण्ड नाला बनाया जायेगा। लोक निर्माण विभाग ने इसको लेकर निविदाएं आर्मंत्रित की हैं।

दमुवाढूंगा में चम्बल पुल के पास वन चौकी के ऊपर से एक बरसाती नाला है जो बरसात के समय गैरवैशाली क्षेत्र में तबाती मचाता है। कई कालोनियों के सैकड़ों घरों व खेतों में पानी, मलबा इससे इस बार भी आया। इसको लेकर क्षेत्रवासियों ने कई बार कह चुके हैं। इस बरसात में प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण कर बैठक की और तय किया कि इस नाले को वन चौकी से चौफुला चौराहे पर नहर में मिला दिया जायेगा। यह तय हुआ कि दमुवाढूंगा वन चौकी से लगभग 250 मीटर दूर चौफुला चौराहे तक 9988 लाख की लागत से अण्डरग्राउण्ड नाला बनाया जायेगा। इस नाले के बनाने के लिये इसके घेरे में आ रहे दुकान मकानों को ध्वस्त किया जोयगा।

निहाल नाले की तबाही भी कम नहीं है

कालाढूंगी। बरसात के मौसम ने इस बार कालाढूंगी, चकलुवा, कोटाबाग, बैलपड़ाव क्षेत्र में आफत मचाई है। बरसाती नालों के अत्यधिक अफनाने से काफी तबाही हुई है। रामपुर गाँव में एक ग्रामीण का घ्वर निहाल नाले की चपेट में आकर बह गया। बैलपड़ाव में करकट नाले से कई ग्रामीणों की जमीन बह गई। साथ ही खेतों में खड़ी फसल नष्ट हो चुकी है।

बरसात से उफान पर आए निहाल नाले से विदरामपुर, रामपुर, लछमपुर, प्रतापपुर, खड़कपुर आदि गाँवों में भारी तबाही मची है। रामपुर गाँव निवासी प्रेम बहादुर का घर नाले में समा गया। अनिल कुमार का घर खतरे की जद में आ चुका है। मौजूदा लोग अपनी जान बचाकर भागे और दूसरी जगह शरण ली है। ग्रामीणों का अधिकांश सामान नाले में बह चुका है। नाले के कटाव से भूमि बह गई और लीची के बाग नष्ट हो गये।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

इतिहास

मुनस्यारी के आदम बरपटिया जनजाति रियासत तथा चताल (चितराल) सेना के बीच संघर्ष

जगदीश सिंह बृजवाल

किसी भी इतिहास की गहराई को समझने के लिए कई ऐतिहासिक अध्ययन स्रोतों की आवश्यकता होती हैं। जैसै-पुरातत्विक खोज, लिपि, शिलालेख, सिक्के, स्थापत्य कला, धार्मिक प्रतिकात्मक मान्यताएं, दस्तावेज, किवदन्ति, जनश्रुति, आदि की सहायता से इतिहास की जानकारियां प्राप्त की जा सकती है।

जोहार परगना के गोरीफाट क्षेत्र में सदियों से निवास करने वाली जनजाति जिसके विषय में इतिहासकार इन्हें कई प्राचीन जनजाति समुदाय से सम्बन्ध जोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। किन्नर, किरात, यक्ष, भील, शक। बरपटिया जनजाति का किसी प्रकार का सटीक प्रामाणिक आधार, दस्तावेज न होने के कारण जो दिक्कत उनके इतिहास को समझने में हो रहा है। केवल दन्तकथा, कहानी, धार्मिक मान्यताएं, संस्कृति की झलक, थोड़ी बहुत सांस्कृतिक पहचान से एक समृद्ध इतिहास होने की ओर इंगित करता है। जनजाति का इतिहास सांस्कृतिक समृद्धता से परिपूर्ण होता है। हमें बरपटिया जनजाति के कुछ सामाजिक अध्ययन से एक पापड़ा जनजाति रियासत के विषय में बहुत कुछ प्राप्त होता है।

बारह बरपटिया तथा तेरहवां हरकोटिया जाति भी आकर बरपटियो जाति में सम्मिलित हो जाते हैं। अतीत में गोरी नदी घाटी के वार-पार बारह पट्टी (गाँव) में निवास करने वाले जनजाति- पापड़ा, बोर्नियां, चुलकोटिया, बोथियाल, रिंवाल, तोमक्याल (गोलफियाल), जोशाल, कोटाल, इमलाल, जिमियाल, पछाई, बोक्टी (12) तेरहवीं जाति हरकोटिया, सेमिया, कलझुनिया भी बरपटिया में सम्मिलित हो गये। सभी अधिकांश उपजातियों के नाम से ही गाँव की बसासत हुई है।

आधुनिक मुनस्यारी क्षेत्र के पुराने वासिन्दे बरपटिया कौ़म में पापड़ा, बोर्निया, चुलकोटिया जाति का ही प्रभुत्त रहा है। पापड़ाओं का रियासत, बर्नियों का इतिहास, चुलकोटियों की रजबारी की कहानी यदा-कदा इस समाज के लोगों के मुँह से आज भी सुनाई देती हैं।

लेखक ने पापड़ी गाँव के बुजर्ग विजय सिंह पापड़ा जी के द्वारा जिस छोटी सी कहानी का उल्लेख को सुना था। अति रोचक रहस्यात्मक भरा था। चिताल सेना से संघर्ष तथा अपने मूल पुरुष जोशी होने के विषय को बताना, अपने सम्बन्धों को प्रतिस्थापित करना था।

पापड़ा कोम का प्रभाव रियासत बरपटिया प्रसिद्ध क्षेत्र माल (अन्न का भण्डार) कहे जाने वाले मतकोट गोरी गंगा घाटी के मवानी दबानी से लेकर हिमालय के गिरिद्वार आज के बोगडियार तक फैला हुआ था। पापड़ा जाति शासक रियासत के स्वामी रहे हैं।

चिताल (चितराल) सेना से संघर्ष की कहानी हमें उस इतिहास के समानता तक पहुँचाती है जिससे जानना, समझना बरपटिया इतिहास के गहराई दस्तक देना है। फाह्यान के यात्रा वृत्तांत के अनुवाद शिष्य द्वारा राजकुमार चितराल का विवरण उल्लेखित किया गया है।

नेपाल स्थित लुम्बिनी की राजधानी कपिलवस्तु से निष्कासित शाक्य वंश का राजकुमार चितराल जिसने तिब्बत प्रान्त के पश्चिमी सीमा पर अपना राज्य स्थापित कर लिया था। जिसका धर्म गुरु बौन तांत्रिक शाक्य लामा था, जिसे आकाश में उड़ने की विद्या भी प्राप्त था। शाक्य लामा के शिष्य द्वारा बचे-खुचे हल्दुवा -पिंलवा जाति के साथ जोहार को आबाद कर सम्पूर्ण जोहार के निवासी पंज्वारी बौन धर्म के अनुयाई हो गये थे। बौन धर्म का प्रभाव माल क्षेत्र बरपटिया समाज तक भी रहा है। आज का बौना गाँव का नाम बौन धर्म से ही प्रभावित हैं। जोहार परगना बौन सम्राज्य के अधीन रहा है। कालान्तर में बौना धर्म धार्मिक प्रथा-

तिब्बत सीमा पर राजकुमार चितराल (चिताल) का अधिपत्य तथा धर्म प्रचार, राज्य विस्तार हेतु, हिमालय वार भी माल क्षेत्र गोरी नदी घाटी (अन्न का भण्डारण) बरपटिया रियासत पर भी अवश्य आक्रमण किया गया। चितराल (चिताल) सेना व पापड़ी रियासत के बीच भीषण संग्राम छिड़ गया।

आज के पापड़ी गाँव से ऊपर कोटधार नामक जगह से चितराल (चिताल) सैना का युद्ध शंखनाद की घोषणा को स्वीकारते पापड़ा रियासत द्वारा भी डट कर मुकाबला करते हुए आज के घोरपट्टा नामक स्थान तक चितराल सेना को पीछे धकेल दिया गया किन्तु अचानक पापड़ा सेना मुखिया का युद्ध भूमि में घायल होकर मरनासन्न स्थिति हो जाने के कारण उसके बफादार सेवक हत्यार बनाने वाला लोहार जाति के व्यक्ति ने युद्ध भूमि से अपने स्वामी को अलग किया गया, स्वामी के पानी के तड़फन को पूरा करने हेतु इधर-उधर भटकते पापड़ (गोया) के पत्ते में पानी जमा कर स्वामी को इस उम्मीदों के साथ पानी पिलाया की पुन: स्वस्थ्य हो जाए, पानी पिलाने के पश्चात पापड़ा मुखिया तरोताजा महसूस करने लगा था पापड़ा सेनानायक, मुखिया जब होश में आया अपने सेवक के द्वारा पानी पिलाये जाने का आभास, आशंका देखते धर्म भ्रष्टता पर अपने धर्म प्रतीक धारण जनेऊ को तुरन्त गले से उतारकर पत्थर पर रख दिया। तभी से पापड़ा उपजाति कहलाना ही उचित समझा जो आज तक पापड़ा उपजाति से जाने जाते हैं।

पापड़ा रियासत का सम्बन्ध माँ नन्दा देवी मन्दिर डांडाधार तथा माँ भरारी मन्दिर प्रतिष्ठापित किये जाने से भी जोड़ा जाता है। आज के बरपटिया समाज के प्रबुद्धजनों से आशा रखते हैं कि एक गौरवशाली संस्कृति का संरक्षण, संवर्धन हेतु अवश्य आगे आना चाहिए।

मालुबे तू मालू नी काट

पारा का भीड़ा को छे घस्यारी, मालुबे तू मालू नी काट,
तू पेड़ बूटा काटी वेर जंगव उजाड़ी गई, मालुबे तू मालू नी काटे मालू,
मालू काटि वेर पाप लागोल, मालुबे तू मालू नी काट मालू।
पारा का भीड़ा टोका टोकी करनी कौ छा तुम, मालू रे काटन दे मालू,
गौरु बिये रौछो, बाछि है रे छी,
गौरु बाछा भूख रे जाला, मालू रे मालू काटन दे मालू,
जंगल उजड़ी वेर वीरान है गेई, कुदरत लै नाराज है गेछी,
मालुबे तू माले नी काट मालू।।
गौरु बाछा केंबि खाल, योई छु उनर आहार, मालू काटन दे मालू,
जंगल सार आगि गौछा, रूढ़ का दिन बहुत गरम है गौछे,
पाणी क बूंद क अभाव है गौछी, मालुबे तू मालू नी काट मालू,
गौरु बाछा कसी पाइनी, चार पाणी छु उनर साहार,
मालुबे मालू काटन दे मालू।
कै छू देरी दीदी क नाम, वीक दुल्हो के करू काम, मालुवे मालू नी माट मालू।।
मेरो नाम राजकुमारी, दीदी को नाम राजदुलारी,
धन सिंह भिना तेरी अन्वारी, मलुवे मालू काटन दे मालू।
दूर बटी पहचाण नि पाई, मैं तोरो भिना, तू मेरी साइ,
काटी लै साई, तू मालू काटी ले मालू,
पारा का भीड़ा को छे घस्यारी, मालुवे तू मालू नी काट मालू।।

(यो कुमाउंनी गीत बहुते साल पैली वर्ष 1950-60 क दशक में बहुत प्रचलित छी, तब म्यर बिया ले नी है रौछी। बीच में यो गीत प्रचलन में अलग है गछी अब मैं येके आपण याददाश्त का अनुसार नई सिरे ल तैयार करी बेर प्रस्तुत करण लागि रयूं। पाठक लोग त्रुटि लिजी क्षमा करिया)

-नन्दा बल्लभ पाण्डे
कृष्णा कुटीर, ज्योलीकोट(नैनीताल)

ज्योतिष की बातें- 193

4 सितम्बर 2024 को बुध मित्रराशि सिंह में प्रवेश करेगा। वहाँ पर शनि की दृष्टि पड़ेगी और सूर्य से कुछ दिन युति भी रहेगी। अत: कुल मिलाकर बुध बली रहेगा। अगले 19 दिन बुध बुद्धि, व्यापार, लेखन, साहित्य आदि अपने कारक विषयों में कर्क, वृषभ, मीन, मकर, वृश्चिक व तुला राशि के जातकों को अन्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। शेष राशियों के लिए भी बुध सामान्य फलदायक रहेगा।

हरितालिका तीज- भाद्रपद शुक्लपक्ष चतुर्थीयुता तृतीया को हरितालिका पर अविवाहित लड़कियाँ योग्य वर प्राप्ति हेतु व्रत करेंगी।

गणेश जयन्ती- भाद्रपद शुक्लपक्ष मध्यान्ह व्यापिनी चतुर्थी में, तदनुसार शनिवार 7 सितम्बर 2024 को श्रीगणेश जयन्ती का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन महाराष्ट्र आदि प्रान्तों में ग्यारह दिनों के लिए गणपति मूर्ति की स्थापना सामाजिक रूप से हर्षोल्लास से की जाती है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 84

बलात्कार बड़ा या हत्या?

आजकल बलात्कार अर्थात् महिला के साथ दुष्कर्म और हत्या दोनों अपराध एक साथ हो रहे हैं। जब से दुष्कर्म को सरकार के द्वारा हत्या के समान महा भयंकर अपराध घोषित किया गया तब से सोशल मीडिया में दुष्कर्म की चर्चा अधिक होती है और 'लड़की की हत्या कर दी गई' इस बात पर चर्चा नहीं होती है। बहस इसी बात पर होती है कि हत्या के पहले दुष्कर्म हुआ या नहीं, हुआ तो कितना हुआ। जाँच का केन्द्रबिन्दु भी दुष्कर्म ही होता है, हत्या की तो कोई बात ही नहीं करता। इसलिए अपराधी भी दुष्कर्म करने के बाद सबूत नष्ट करने के लिए प्राय: हत्या भी कर देता है क्योंकि यदि पकड़ गए तो दोनों में सजा बराबर ही होगी। पहले ऐसा नहीं होता था। कम से कम जान तो बच जाती थी।

यदि दुष्कर्म और हत्या की सजा बराबर होगी तो ये दोनों अपराध एक साथ होते रहेंगे। दुष्कर्म की सजा कम होना चाहिए और हत्या की सजा सर्वाधिक होना चाहिए। यदि महिला की हत्या कर दी जाती है तो जाँच का विषय हत्या होना चाहिए न कि दुष्कर्म। क्योंकि किसी की हत्या कर देना दुष्कर्म से कई गुना बड़ा अपराध है। यदि हत्या के पूर्व दुष्कर्म नहीं भी हुआ है तो भी अपराधी को आजीवन कारावास हो सकता है। जाँच एजेंसियां और समाचार माध्यम हत्या के अपराध को सनसनीखेज और वीभत्स बनाने के लिए दुष्कर्म के पीछे न पड़ें हत्या की भी जाँच करें।

-सरल

डॉ.मदन चन्द्र भट्ट की नई पुस्तक

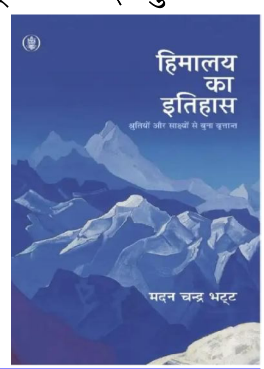

देहरादून। इतिहासकार प्रो.मदन चन्द्र भट्ट की नई पुस्तक राजकमल प्रकाशन दिल्ली से प्रकाशित हो कर इतिहास में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए उपलब्ध है। इसका विमोचन 29 सितम्बर 2024 को दून लाइब्रेरी देहरादून में होना तय हुआ है। जिसमें इतिहास के विशेषज्ञ और छात्र पुस्तक और इससे जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे। बताते चलें टकाना, पिथौरागढ़ में रहने वाले प्रो.मदन भट्ट जी स्वास्थ्य करणों से अपने सुपुत्र डॉ.कमल भट्ट के साथ देहरादून में ही निवास कर रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नौला देवता की पूजा अर्चना की गई

मदकोट। बंगापानी तहसील के जारा जिबली में अराध्य देवता की पूजा अर्चना की गई। नौला देवता ने अवतरित होकर ग्रामीणों को आशीर्वाद दिया। क्षेत्र की सुख समृद्धि के नौला देवता को पूजा जाता है। ग्रामीण अपने घरों से नए फल, फूल, ककड़ी, सन्तरे भूमियाल देवता को अर्पित करते हैं। इस अवसर पर झोड़े भी लगताए गए।

थलकेदार, ध्वज मंदिर रोपवे से जुड़े

पिथौरागढ़। होटल एसोसिएशन अध्यक्ष राजेन्द्र भट्ट ने जयन्ती मन्दिर और थल केदार को रोपवे से जोड़ने की मांग की है। सीएम को भेजे पत्र में उन्होंने प्रसिद्ध ध्वज जयन्ती मन्दिर और थलकेदार तक रोपवे निर्माण की मांग की है। इससे पर्यटन को अपार प्रोत्साहन मिलेगा। बड़ाबे, कनालीछीना, मूनाकोट क्षेत्र के युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बनेंगे।

घाट से गंगोलीहाट उडियारी तक टूलेन

गंगोलीहाट और बेरीनाग पहुँच केन्द्रीय सड़क राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि बागेश्वर से उडियारी तक टूलेन सड़क बनाने का कार्य शुरू हो चुका है। घाट से गंगोलीहाट और उडियारी तक टूलेन बनाया जायेगा। श्री टम्टा का पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

मुवानी में सड़क के लिये प्रदर्शन

थल/मुवानी। मुवानी-बेरीनाग-रीठा रौतेली सड़क के निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्र वासियों ने प्रदर्शन किया। मायल, गुरना रजवार की महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए शीघ्र सड़क निर्माण की मांग के साथ ही विधायक फकीर राम को भी पत्र भेजा है। कहा लम्बे समय से एक बड़ा क्षेत्र उपेक्षा का शिकार हो रहा है।

पांखू सड़क दुर्दशा पर प्रदर्शन

थल। पांखू से धरमघर, पांखू से कोटगाड़ी मन्दिर, पांखू से थल होते हुए वाया मुवानी सातशिलिंग मोटटर मार्ग बदहाल होने से नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए इन सभी सड़कों को शीघ्र सुधार की मांग की है। कहा कि सड़कों पर गड्ढे होने से दुर्घटनाएं होती रहती हैं। प्रदर्शन करने वालों में गिरी जोशी, दलीप कार्की, पंकज महर, घनश्याम कार्की आदि थे।

नकली शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

काशीपुर। एसटीएफ ने नकली शराब बनाने की फैक्ट्री पकड़ी। इसमें भारी मात्रा में देशी नकली शराब कैमिकल, उत्तराखण्ड सरकार के कूटरचित होलोग्राम, गुलाब मार्का के रैपर व रॉ मटैरियल व उपकरण बरामद हुए। आगामी चुनावों के मद्देनजर एसटीएफ की यह बड़ी कार्यवाही थी। क्योंकि क्षेत्र में अवैध शराब की सूचना पहले से मिलने लगी थी।

निकाय चुनाव को लेकर हलचल

पार्टियां प्रत्याशी तलाश में, नेता जुगाड़ में

राज्य में निर्धारित समय पर निकाय चुरनाव कराने की याचिकाओं को हाईकोर्ट में सुनवाई पर जैसे ही सरकार ने 25 अक्टूबर तक निकाय चुनाव कराने की बात कही, पार्टियां प्रत्याशी तलाश में हैं और नेता जुगाड़ में लगे हुए हैं कि उन्हें पार्टी टिकट मिल जाए।

असल में निकाय चुनाव को लेकर काफी समय से लटक बनी हुई थी। राज्य चुनाव आयोग की ओर से दो बार चुनाव को लेकर बयान आए। कहा गया कि निकाय का कार्यकाल दिसम्बर 2023 में समाप्त हो गया था। सरकार ने 6 माह के लिये प्रशासक नियुक्त किए थे। जून 2024 में इन प्रशासकों का कार्यकाल फिर बढ़ा दिया गया। अब आठ माह बीत जाने के बाद राज्य सरकार ने कई कई नगर निगम और पगर पंचायतों की घोषणा कर दी है जो चुरनाव आयोग के लिये माथापच्ची है। इस बीच हाईकोर्ट में अपर सचिव शहरी विकास नितिन भदौरिया पेश हुए और जानकारी दी कि सितम्बर पहले सप्ताह तक राज्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के बाद अक्टूबर में चुनाव करवा लिये जाएंगे। इन दिनों निकाय चुनावों के लिये पार्टी प्रत्याशियों के दावे होने लगे हैं। टिकट के लिये जोड़-तोड़ करते नेताओं में अधिकांश नए नाम उभर कर आ रहे हैं, ऐसे में नगर निगम मेयर पद के लिये पार्टियों को ज्यादा माथापच्ची करनी पड़ रही है। इस बार पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा भी नगर निगम के रूप में हैं तो वहाँ के चुनाव गणित में भी नेताओं को समीकरण नये सिरे से बनाने पड़े हैं। देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर नगर निगम के लिये घमासान तैयारी दिख रही है।

ओबीसी आरक्षण पर फैसला प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद होगा

प्रदेश के नगर निकायों के चुनाव की तैयारी के बीच यह भी स्पष्ट हो चुका है कि निकायों में ओबीसी आरक्षण पर फैसला प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद होगा। इस प्रक्रिया में महीने भर का समय लगना है। दरअसल निकायों में एकल सदस्यीय समर्पित आयोग की संस्तुति के हिसाब से ओबीसी आरक्षण लागू किया जाना है। इसके लिये सरकार सदन में नगर पालिका और नगर निगम के एक्ट में संशोधन का एक्ट लेकर आई थी। लेकिन इस एक्ट के पारित होने के दौरान विधायकों के विरोध के चलते इसें प्रवर समिति के पास भ्रेज दिया गया था।

जारा जिबली से छिपलाकेदार तक बनेगा ट्रेकिंग रूट

पिथौरागढ़। बंगापानी तहसील के प्रसिद्ध छिपला केदार तक ट्रेकिंग रूट विकसित होगा ताकि ट्रैकर और यात्री आसानी महसूस करें। इसके लिये जिला पंचायत 86 लाख रुपये से जारा जिबली से छिपला केदार तक 6 किमी ट्रेक रूट का निर्माण कर रहा है। इसका निर्माण पूरा होने के बाद यात्रियों की संख्या में बढ़ोत्तरी की उम्मीद है। मान्यता है इसे गुप्त कैलास के नाम से जाना जाता था। हर दो वर्ष्ों में करीब 40 गाँवों के लोग इस गुप्त/छिपे हुए कैलास में पहुँच कर पूजा करते हैं। इस क्षेत्र में दुर्लभ वन्यजीव कस्तूरी मृग, भरड़, थार, तेंदुआ, मोनाल, भूरे बाल वाला नेवला, जंगली बकरी पाए जाते हैं। समुद्र तल से 4500 मीटर की ऊँचाई पर स्थित प्रसिद्ध छिपला केदार में स्थानीय गाँव के लोग प्रतिवर्ष पूजन करते हैं। यहाँ से सुकदौ, भनार, चूली, छिपलाकुण्ड और पंचाचूली का मोहक दृश्य भी दिखता है। अब जिला पंचायत यहाँ स्थानीय लोगों की सुविधा और सैलानियों के लिये पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने और ट्रेकरों को आकर्षित करने के लिए रूट विकसित करने जा रहा है।

परिक्रमा

सामिया बिल्डर की नीलामी सूचना जारी

रुद्रपुर। काशीपुर हाईवे स्थित सामिया इन्टरनेशनल बिल्डर्स की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। करोड़ों का बकाया अदायगी नहीं होने पर तहसील प्रशासन ने तीसरी बार नीलामी की अधिसूचना जारी कर दी है। इस बार सार्वजनिक स्थानों पर नोटिस चस्पा किये जा रहे हैं। साथ ही नीलामी की गाइडलाइन भी जारी कर दी है। तहसीलदार दिनेश कुटोला की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि सामिया बिल्डर्स पर भूसम्पदा मद के तहत 3.80 करोड़ से अधिक का बकाया था। जिस पर अतिरिक्त ब्याज लगाकर 31 मई तक दस फीसदी संग्रह व्यय सहित 4 करोड़ 65 लाख 70 हजार 95 हजार रुपये हो गया है। बिल्डर की सम्पत्ति ग्राम दानपुर तहसील रुद्रपुर के अधीन है। बिल्डर की 0.577 हेक्टेयर भूमि की 9 हजार प्रति वर्ग मीटर नीलामी दर रखी गई है। जो कि बकाया धनराशि के करीब है।

नगर पालिका में शामिल होने का विरोध

रामनगर। ग्रामीण क्षेत्रों को नगर पालिका में शामिल किये जाने का विरोध हो रहा है। नाराज ग्रामीणों ने मेजरनामा बनाकर पालिका में आपत्तियों को जमा कराया। कानियां और गोजानी के जनप्रतिनिधि सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने घासमण्डी से लेकर नगर पालिका तक जुलूस निकाला और अपनी आपत्ति दर्ज की। कहा हम लोग पशुपालक हैं, नगर पालिका क्षेत्र में आने पर हमारे रोजगार प्रभावित होंगे, कृषि प्रभावित होगी। कानिया की पंचायत सदस्य भगवती पाण्डे, किसान मोर्चा के संयोजक ललित उप्रेती, धारा बल्लभ पाण्डे, दीपा कड़ाकोटी, हरिश्चन्द्र करगेती, प्रकाश पाण्डे ने कहा कि नगर पालिका में आने से हमारे भवन कर, पानी कर और अन्य कर में बढ़ोत्तरी होगी और ग्रामीणों को नुकसान ही होगा। जबकि इन क्षेत्रों को वन बगीचे के रूप में विकसित किया जाना चाहिये। पालिका में किसी भी सूरत में शामिल नहीं होंगे।

भवन और संपत्ति कर बढ़ाने की संस्तुति

हल्द्वानी। नगर निगम ने भवन और सम्पत्ति कर में 15 प्रतिशत बढ़ोत्तरी प्रस्तावित कर आपत्तियां मांगी हैं। हितधारकों को 15 दिन के भीतर लिखित में नगर निगम में आपत्ति दर्ज होगी। आपत्ति मिलने के बाद नगर निगम इन आपत्तियों का निस्तारण करेगा। तदुपरान्त कर में बृद्धि की जाएगी। बताते चलें कि नगर निगम चार साल बाद भवन कर बढ़ाता है। इसके लिए निगम पहले विज्ञापन करता है फिर लोगों से आपत्तियां मांगी जाती हैं। आपत्तियों के निस्तारण के बाद सम्पत्ति कर में बढ़ोत्तरी होती है। विगत समय में हल्ला मचा कि निगम प्रशासन ने गुपचुप तरीके से सम्पत्ति में 15 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी कर दी है। ये दरें एक अप्रैल से 2024 से लागू कर दी गई हैं। इसकी सूचना आग की तरह फैली और जाँच में पता चला कि नगर निगम ने प्रक्रिया का पालन नहीं किया है। इसके बाद सीएम के आदेश पर प्रशासक ने बढ़ा हुआ भवन कर वापस ले लिया और अब निगम ने विज्ञप्ति जारी कर दी है। इसका अवलोकन बेबसाइट पर भी हो सकता है

मलबा हटाने को बन रही ड्रिफ्ट टनल

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग के निर्माण में बीते वर्ष हुए भूस्खलन का मलबा हटाने के लिये सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्य चल रहा है। इसके तहत मलबे के बीच 2.6 मीटर व्यास की ड्रिफ्ट टनल बनाई जा रही है। साथ ही विशेष प्रकार की सीमेन्ट के घोल का छिड़काव कर मलबे को ठोस अवस्था में बदला जा रहा है।

जयकोट में डरे हुए हैं ग्रामीण

धारचूला। लगातार हो रहे भूस्खलन से जयकोट के ग्रामीण डरे हुए हैं। उनका कहना है कि मनमाने तरीके से सड़क काटकर आपदा को निमंत्रण दिया गया है। ग्रामीणों ने डीएम को ज्ञापन देते हुए उन्होंने कहा कि पूरा गाँव आपदा की जद में है। सड़क के लिये कटी जमीन का मुआवजा तक नहीं मिला है। हेलीकाप्टर सेवा के लिये बना हैलीपैड भी मलबे से पट गया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दीपिका टोलिया इंडियन माउंटेनियरिंग संस्थान दिल्ली के अभियान में

डीडीहाट। दीपिका टोलिया पुत्री हीरा सिंह टोलिया इण्डियन माउंटेनियरिंग संस्थान दिल्ली द्वारा वूमेन एक्सपीडिशन प्रोग्राम हिमाचल प्रदेश का हिस्सा रहीं। इसमें हिमाचल प्रदेश के 12 ग्लेश्यिरों में हुए इस अभियान में दीपिका ने सफलता प्राप्त की। दीपिका के हौंसले और प्रतिभा के लिये डीडीहाट, मुनस्यारी क्षेत्रवासियों व मल्ला जोहार विकास समिति ने बधाई दी है।

जूनियर बॉक्सिंग चैम्पयनशिप के लिये ओम भण्डारी का चयन

टनकपुर। ठाकुर श्याम सिंह रावत जगत सिंह रावत राधेहरि राजकीय इण्टर कालेज के कक्षा दस के छात्र ओम भण्डारी का चयन जूनियर बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के लिये हुआ है। स्थानीय बॉक्सिंग हॉस्टल के छात्र ओम एशियन जूनियर स्कूल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता दुबई में होगी। ओम भण्डारी 67 किलोग्राम वर्ग में अण्डर-14 आयु वर्ग में शिरकत करेंगे। वह पिछले तीन महीनों से भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरु स्थित केन्द्र से प्रशिक्षण ले रहे हैं। ओम भण्डारी की सफलता पर खेलप्रेमियों ने बधाई दी है।

सालम क्रान्ति दिवस मनाया गया

अल्मोड़ा। देश को आजाद कराने में प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए सालम क्रान्ति दिवस मनाया गया। उत्तराखण्ड में सालम की क्रान्ति को आजादी का प्रमुख पड़ाव माना जाता है। सालम के महान क्रान्तिमारी नर सिंह धानक और टीका सिंह कन्याल ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इसके विरोध में ब्रिटिश तोपों का मुकाबला क्रान्तिकारियों ने पत्थरों से किया था। 9 अगस्त 1942 के गांधी जी के करो या मरो उद्घोष के बाद अल्मोड़ा के लमगड़ा विकासखण्ड के सालम में क्रान्ति की चिंगारी भड़की। सालम के स्वतंत्रता सेनानी रामसिंह धौनी इलाहाबाद से बीए की डिग्री लेकर वर्ष 1919 से आजादी की लड़ाई में जुट गये। 25 अगस्त को अंग्रेजों के साथ सालम के वीरों का घमासान हुआ। इसी की याद में सालम क्रान्ति दिवस मनाया गया।

श्रद्धांललि

महेश नेपाली का था संगीत से लगाव

हल्द्वानी। विगत दिवस महेश थापा (नेपाली जी) का निधन हो गया। कुमाऊँ कमिश्नर कार्यालय नैनीताल से सेवानिवृत्त नेपाली का संगीत से लगाव था और वह निपुण वायलिन वादक थे। अपनी सरकारी सेवा के अलावा वह हमेशा संगीत की धुन में रहते थे और जानकारों के सौ रागों की चर्चा करते। होने वाली महफिलों में उनकी प्रस्तुति भी होती थी। पिघलता हिमालय परिवार से उनका गहरा सम्पर्क रहा है। कर्मभूमि नैनीताल के बाद व हल्द्वानी में बस गये थे। पिघलता हिमालय परिवार उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

अपने गाँव के लिये 'भीमा' की सोच

गंगोलीहाट। विगत दिवस कुन्जनपुर निवासी और व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष हरीश धानिक 'भीमा' का हृदयघात से निधन हो गया। वह महत्वाकांक्षी नेता के अलावा अपने गाँव के लिये बेहतर सोच रखते थे। हरीश धानिक ने छोटे से कारोबार के अलावा जनसम्पर्क में रहते थे। लोगों के दु:ख-दर्द समझने के अलावा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिये वह किसी भी अधिकारी या नेता को खुली चुनौती देने का साहस रखते थे। कुंजनपुर में होने वाले आयोजनों में उनकी विशेष सहभागिता थी। भीमा के असमय निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। पिघलता हिमालय परिवार उन्हें श्रद्धांललि अर्पित करता है।

प्रो.रमेश तिवारी निभाते रहे काज

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री एन.डी.तिवारी के छोटे भाई बनारस विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर रमेश तिवारी का 94 वर्ष की आयु में संजय गांधी पीजीआई अस्पताल में निधन हो गया। वह तीन माह से काफी अस्वस्थ्य थे। दिग्गज नेता एनडी के चुनाव अभियान में प्रो.रमेश की भूमिका हमेशा सक्रिय रही थी। वह हमेशा कार्यकर्ता बनकर कार्यालय संभालते और अपनी बात-व्यवहार से सम्पर्क में रहते। नैनीताल सीट पर एनडी तिवारी जब-जब चुनाव लड़े रमेश जी हल्द्वानी फर्नीचर मार्ट में रिश्तेदारी के अलावा भी अपना सम्पर्क स्थल बना लेते थे। पिघलता हिमालय परिवार उन्हें श्रद्धांललि अर्पित करता है।

लोकरंग से जुड़े थे अनुसुइयाप्रसाद भट्ट

गोपेश्वर। केदारनाथ मन्दिर समिति के पूर्व अध्यक्ष व नगर पालिका के पूर्व चैयरमैन अनुसुइया प्रसाद भट्ट का 79 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। वह कुछ समय से अस्वस्थ्य चल रहे थे। अपने पैतृक गाँव गोपेश्वर में ही उन्होंने अन्तिम सांस ली। लोकरंग से जुड़े अनुसुइया प्रसाद मन्दिरों की व्यवस्था संचालन में अग्रणीय थे। वह भाजपा संगठन के महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे। पिघलता हिमालय परिवार उन्हें श्रद्धांललि अर्पित करता है।

लोकपर्वों की धूम का महीना

नन्दा की लोकजात, डोली कैलास विदा हुई

रुद्रप्रयाग। परम्परानुसार नन्दा के जयकारों के साथ नन्दा के मायके में नन्दा की वार्षिक लोकजात यात्रा हुई। नन्दा धाम कुरूड़ के सिद्ध पीठ मन्दिर में श्रद्धालुओं ने नन्दा के पौराणिक लोकगीतों और जागर के साथ हिमालय की अधिष्टात्री देवी नन्दा को हिमालय के लिये विदा किया। इस अवसर पर उपस्थित ध्यैणियां फफक कर रोने लगीं। आस्था के इस सैलाब से समझा जा सकता है कि नन्दा माँ के प्रति हिमालय वासियों में कितनी श्रद्धा है। 23 अगस्त से शुरू हुई नन्दा की वार्षिक लोकजात यात्रा दस सितम्बर तक उच्च हिमालयी बुग्यालों में सम्पन्न होगी।

बताते चलें कि नन्दाराजजात यात्रा 12 साल के अन्तराल में होती है परन्तु वार्षिक यात्रा प्रतिवर्ष कुरुड़ मन्दिर से शुरू होती है। यहाँ से प्रस्थान कर राजराजेश्वरी बधाण की नन्दा डोली बेदनी बुग्याल में, कुरुड़ दशोली की नन्दा डोली बालपाटा बुग्याल और कुरुड़ बंड भुमियाल की डोली नरेला बुग्याल में नन्दा सप्तमी अष्टमी के लिदन पूजा अर्चना कर सम्पन्न होती है। चमोली जिले के सात विकास खण्डों के 800 से अधिक गाँवों व अलकनन्दा, बंड पट्टी, बिरही, कल्प गंगा, नन्दाकिनी, पिण्डर घाटी की सीमा से लगे गाँवों के लोग इस लोक उत्सव में शामिल होते हैं।

सातू-आठू की झूम, गौरा पूजन की धूम

लोकोत्सव की धूम सातू-आठू के रूप में दिखाई दे रही है। पिथौरागढ़ व चम्पावत जिले में विशेष आयोजन देखे गये हैं। गौरा-महेश्वर पूजन के लिये महिलाओं ने विरुड़े (5 या 7 अनाज भिगोकर घर के मन्दिर में मंत्रोच्चार के बीच रखेत हैं) तैयार किये और सुख समृद्धि की कामना की। गौरा-महेश की पूजा में महिलाओं ने हाथ में डोर और गले में दुर्वाधारा (दुबज्योड़) बांधा।

होली की तरह उत्साह से कई गाँवों में इस त्यौहार को मनाया जाता है। गंगोलीहाट के पुनोली, पतारबाड़ा, कोठेरा कई जगहों पर झोड़े-चांचरी की दिन रात धूम मची। पिथौरागढ़ में रामलीला मैदान में सामुहिक रूप से बड़े आयोजन की परम्परा शुरू होने के बाद से आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों की टीमें आकर झोड़े प्रस्तुत करते हैं। इसके अलावा ग्रामों में मस्त आयोजन हुए। अस्कोट क्षेत्र में हिरन-चितल नृत्य के साथ खेल लगाए गए। डीडीहाट के ग्रामों में झोड़े चांचरी के वृहद आयोजन हुए हैं। चम्पावत व नेपाल सीमा से लगे गाँवों में सातू आठू की परम्परागत आयोजन देखने को मिले। टनकपुर, बनबसा क्षेत्र में बस चुके लोगों ने नन्दा-गौरा पर्व उत्सव को धूम धाम से मनाया। आमबाग क्षेत्र में शानदार कार्यक्रम देखे गये। अल्मोड़ा नगर के दुगालखोला में गौरा पर्व का विशेष उत्साह दिखाई दिया। तराई-भाबर क्षेत्रों में पहाड़ से आकर बस चुके लोगों ने मान्यता अनुसार त्यौहार मनाया। विरुड़ा पंचमी, जन्माष्टमी, नन्दा पूजा, हिलजात्रा सहित सभी लोक पर्वों का उत्साह इन दिनों बना हुआ है।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड के महान सपूत
शहीद मेजर दुर्गामिल्ल
आज़ाद हिन्द फौज
(01.07.1913 से 25.08.1944)
हम सभी उत्तराखण्ड वासी शहीद मेजर दुर्गामिल्ल को उनकी
पुण्यतिथि
पर हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क 7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
मो.- 9458920379, 6396098804
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

जन्माष्टमी एवं लोकपर्व आठू-सातू की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

नगर उद्योग व्यापार मण्डल टनकपुर

के.एस.रावत
शान्ति कुंज
छड़ायल नयावाद
हल्द्वानी

चन्दा सिंह
अराध्यम
शान्ति विहार, बिठौरिया1
हल्द्वानी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)